ट्रंप का बड़ा ऐलान– गोल्ड पर टैरिफ नहीं लगेगा

सोना 1400 रुपये तक सस्ता, एमसीएक्स पर गिरावट तेज

अमेरिकी कस्टम ने गोल्ड पर भारी टैक्स की जताई थी आशंका

नई दिल्ली, 12 अगस्त. भारत और रूस से जारी तनातनी के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गोल्ड पर टैरिफ नहीं लगाने का फैसला लिया है.'द वॉल स्ट्रीट जनरल' के मुताबिक, ट्रंप ने स्पष्ट किया कि सोने पर किसी तरह का टैक्स नहीं लगेगा. इससे पहले अमेरिकी कस्टम और सीमा सुरक्षा विभाग ने गोल्ड पर भारी टैक्स की आशंका जताई थी. ट्रंप का यह ऐलान ऐसे समय में आया है जब उन्होंने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है.

घरेलू बाजार में 1400 रुपये तक की गिरावट : ट्रंप के फैसले के बाद मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर गोल्ड की कीमत में सोमवार को 1409 रुपये या 1.38 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई. 999 शुद्धता वाला 10 ग्राम सोना 1,00,389 रुपये पर बंद हुआ, जो कारोबार के दौरान 1,01,199 रुपये तक पहुंचा था. एमसीएक्स पर सोने का लाइफ टाइम हाई 1,02,250 रुपये प्रति 10 ग्राम है, जिसकी तुलना में कीमत 1861 रुपये सस्ती हो गई है.

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कीमत टूटी

ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट कर कहा कि गोल्ड पर टैरिफ नहीं लगेगा। इस घोषणा के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में गोल्ड फ्यूचर्स 2.48 प्रतिशत टूटकर 3,404.70 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुए।

22 और 20 कैरेट सोने में भी गिरावट

घरेलू बाजार में सोमवार को 24 कैरेट सोना 1,00,201 रुपये प्रति 10 ग्राम से गिरकर 99,957 रुपये पर बंद हुआ, यानी 244 रुपये की गिरावट।22 कैरेट सोना 97,560 रुपये और 20 कैरेट सोना 88,960 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया।

मस्क की एप्पल को चेतावनी

ग्रोक चैटबोट की रैंकिंग पर विवाद

ऐप स्टोर पर ओपनएआई को बढ़त का आरोप

नयी दिल्ली, 12 अगस्त (वार्ता) अमेरिकी कारोबारी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के मालिक एलन मस्क ने टेक कंपनी एप्पल पर बाजार प्रतिस्पर्धा कानून के उल्लंघन का आरोप लगाते हुये कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है.

यह मामला एक्सएआई के स्वामित्व वाले चैटबोट ग्रोक से जुड़ा है. एक्स पर उपलब्ध फीचर ग्रोक एक एआई एसिस्टेंट है जो उपयोगकर्ताओं के प्रश्नों के उत्तर दे सकता है, टेक्स्ट तथा तस्वीरें जेनरेट करने में सक्षम है और संवाद भी कर सकता है.

बाजार प्रतिस्पर्धा कानून का उल्लंघन

श्री मस्क ने एक्स पर पोस्ट की एक सीरीज में ग्रोक की रैंकिंग को लेकर बाजार प्रतिस्पर्धा कानूनों के उल्लंघन के लिए एप्पल की आलोचना की है. उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, एप्पल इस तरह से काम कर रहा है कि ऐप स्टोर पर ओपन एआई के अलावा किसी दूसरी एआई कंपनी का शीर्ष पर पहुँचना असंभव हो जाता है. यह स्पष्ट रूप से बाजार प्रतिस्पर्धा कानून का उल्लंघन है. उन्होंने चेतावनी दी है कि वह तत्काल कानूनी कार्रवाई करेंगे. मस्क का यह पोस्ट हाल ही में बाजार में पेश जीपीटी–5 के प्रति उनकी असहजता भी दर्शाता है. जीपीटी–5 एक्सएआई ग्रोक का सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरा है.

मुनाफावसूली से सेंसेक्स-निफ्टी में गिरावट

368 अंक से गिरा सेंसेक्स

97 अंक से टूटा निफ्टी

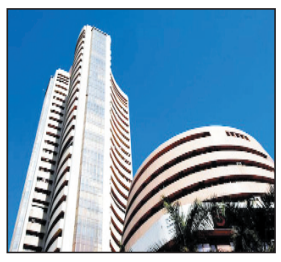

मुंबई, 12 अगस्त (वार्ता) घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद आखिरी समय में हुई मुनाफा वसूली से प्रमुख सूचकांक गिरावट में बंद हुये.

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 368.49 अंक (0.46 प्रतिशत) लुढ़ककर 80,235.59 अंक पर आ गया. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 97.65 अंक यानी 0.40 प्रतिशत टूटकर 24,487.40 अंक पर बंद हुआ. सोमवार को दोनों सूचकांक करीब एक प्रतिशत की बढ़त में बंद हुये थे.

निजी बैंकों और वित्तीय सेवा, रियलिटी और एफएमसीजी कंपनियों के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट रही. टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद क्षेत्र की कंपनियों में भी बिकवाली हुई. ऑटो, आईटी, धातु और फार्मा सेक्टरों के सूचकांकों में तेजी रही.

टैरिफ से हीरा-झींगा निर्यात पर चोट : रिपोर्ट

हीरा उद्योग का 25% राजस्व अमेरिका से

झींगा निर्यातकों का 48% कारोबार अमेरिकी बाजार

नयी दिल्ली, 12 अगस्त (वार्ता) बाजार अध्ययन और साख निर्धारण कंपनी क्रिसिल ने एक रिपोर्ट में कहा है कि अमेरीका द्वारा भारत पर लगाये गये अतिरिक्त आयात शुल्क का सबसे ज्यादा नुकसान हीरा, कालीन, झींगा और घरों के लिए टेक्सटाइल का निर्यात करने वाले उद्योगों को होगा.

क्रिसिल ने मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में बताया कि 01 अगस्त से 25 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क के बाद 27 अगस्त से दंड स्वरूप लगने वाले आयात शुल्क के कारण अमेरिका को भारत से निर्यात काफी महँगा हो जायेगा. सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले सेक्टरों में हीरे की तराशी का काम करने वाला उद्योग, झींगा, चादर-पर्दे, कालीन आदि के निर्यातक शामिल हैं. इनके अलावा सिले-सिलाये वस्त्र, रसायन, कृषि-रसायन, पूँजीगत वस्तुओं और सौर पैनल का विनिर्माण भी काफी प्रभावित होगा.

रिपोर्ट में कहा गया है कि किस सेक्टर पर किस हद तक प्रभाव पड़ेगा यह इस बात पर निर्भर करता है कि उसका अमेरिका में निर्यात कितना है और वह बढ़े आयात शुल्क में से कितना बोझ ग्राहकों पर डाल सकता है. उसने कहा है कि विभिन्न देशों में ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाये गये आयात शुल्क से वैश्विक व्यापार का तानाबाना पूरी तरह बदल जायेगा. क्रिसिल ने कहा है कि आने वाले समय में दोनों देशों के बीच किसी संभावित समझौते पर नजर रखनी होगी.

> रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले वित्त वर्ष में भारत के माल निर्यात का करीब 20 प्रतिशत अमेरिका को किया गया था. हीरा तराशने वाले उद्योग के राजस्व का 25 प्रतिशत अमेरिका को किये गये निर्यात से प्राप्त हुआ. झींगा निर्यातकों के राजस्व का 48 प्रतिशत अमेरिका से आया. इसी प्रकार चादर-पर्दे आदि का 60 प्रतिशत और कालीन का 50 प्रतिशत निर्यात अमेरिका को किया जाता है.

खुदरा महँगाई दर जुलाई में 1.55 प्रतिशत पर

नयी दिल्ली, 12 अगस्त (वार्ता) खाने-पीने की चीजों, विशेषकर सब्जियों और दालों की कीमतों में नरमी से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की दर लगातार नौवें महीने घटती हुई इस साल जुलाई में 1.55 प्रतिशत रह गयी.

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा मंगलवार को जारी आँकड़ों के अनुसार, इस जुलाई में खुदरा महँगाई दर 1.55 प्रतिशत रही जो जून 2017 के बाद का निचला स्तर है. इससे पहले जून 2025 में यह 2.10 प्रतिशत और जुलाई 2024 में 5.42 प्रतिशत दर्ज की गयी थी.

खाने-पीने की चीजों की कीमतों पर आधारित खाद्य मुद्रास्फीति की दर शून्य से 1.76 प्रतिशत नीचे रही जो जनवरी 2019 के बाद सबसे कम है. जून में यह शून्य से 1.01 प्रतिशत नीचे रही थी. महँगाई दर में कम की सबसे बड़ी वजह सब्जियों और दालों की कीमतों में एक साल पहले के मुकाबले आयी तेज गिरावट है. एक साल पहले की तुलना में सब्जियाँ 20.69 प्रतिशत और दालें तथा उनके उत्पाद 13.76 प्रतिशत सस्ते हुये. मसालों की कीमतों में 3.07 फीसदी और मांस तथा मछली के दाम में 0.61 फीसदी की कमी आयी. इनके अलावा, कुछ खाद्य पदार्थों की महँगाई दर अपेक्षाकृत कम रही. इनमें अनाज (3.03 प्रतिशत), अंडे (2.26 प्रतिशत), दूध डेयरी उत्पाद और चीनी तथा कंफेक्शनरी उत्पाद शामिल हैं.

मुंबई से इंडिगो की दो नई अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें

2 सितंबर से अल्माटी के लिए सीधी सेवा

दोनों उड़ानें सप्ताह में चार दिन उपलब्ध

नयी दिल्ली, 12 अगस्त (वार्ता) देश की सबसे बड़ी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने सितंबर में मध्य एशियाई देशों के लिए मुंबई से दो नयी उड़ानें शुरू करने की घोषणा की है.

एयरलाइंस ने मंगलवार को बताया कि वह 01 सितंबर से उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद और 02 सितंबर से कजाकिस्तान के अल्माटी के लिए मुंबई से सीधी उड़ानें शुरू करेगी. दोनों उड़ानें सप्ताह में चार दिन होंगी.

उड़ान संख्या 6ई 1821 मुंबई से सुबह 9.55 बजे ताशकंद के लिए रवाना होगी. यह सोमवार, बुधवार, गुरुवार और शनिवार को उपलब्ध होगी. वापसी की उड़ान 6ई 1822 उसी दिन स्थानीय समय के अनुसार दोपहर बाद 4.20 बजे ताशकंद से रवाना होकर रात 9.55 बजे मुंबई पहुँचेगी.

> मुंबई से अल्माटी की उड़ान संख्या 6ई 1817 मंगलवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार को शाम सात बजे रवाना होगी. वापसी में उड़ान संख्या 6ई 1818 सोमवार, बुधवार, गुरुवार और शनिवार को स्थानीय समय के अनुसार, रात 1.25 बजे अल्माटी से उड़ान भरेगी और सुबह 8.20 बजे मुंबई पहुँचेगी. दिल्ली से इन दोनों शहरों के लिए पहले से ही इंडिगो की उड़ानें उपलब्ध हैं.

जुलाई में गोल्ड ईटीएफ निवेश 40% घटा

नयी दिल्ली, 12 अगस्त. गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड में निवेश जुलाई में इससे पिछले महीने के मुकाबले 40 प्रतिशत घटकर 1,256 करोड़ रुपये रहा. सोने की ऊंची कीमतों से जुड़ी खबरों को लेकर चिंताओं के कारण इसमें कमी आई. जुलाई के आंकड़े लगातार तीसरे महीने सकारात्मक निवेश को दर्शाते हैं. जर्मिनेट इन्वेस्टर सर्विसेज के मुख्य कार्यपालक अधिकारी संतोष जोसेफ ने कहा कि पिछले दो वर्षों में मजबूत प्रदर्शन के बावजूद निवेशकों के लिए सोने की चाल का अनुमान लगाना मुश्किल है.

स्टार्टअप्स को सहारा देगा सरकार

हार्डवेयर और पैकेजिंग सेक्टर के शुरुआती उद्यमों को मिलेगा मार्गदर्शन

नयी दिल्ली, 12 अगस्त (वार्ता) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने हार्डवेयर, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, पैकेजिंग जैसे क्षेत्रों के प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप्स की सहायता और उन्हें मार्गदर्शन देने के लिए ज़ेप्टो प्रा.लि के साथ समझौता (एमओयू) किया है.

समझौता ज्ञापन पर डीपीआईआईटी के निदेशक डॉ. सुमीत जारंगल और ज़ेप्टो के सह-संस्थापक कैवल्य वोहरा ने हस्ताक्षर किए. मंत्रालय ने मंगलवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि इस करार के तहत छह महीने के एकाग्र कार्यक्रम के माध्यम से स्टार्टअप्स की खोज और उनका मार्गदर्शन किया जाएगा. इस करार के तहत ज़ेप्टो 100 से अधिक भारतीय स्टार्टअप्स को अपनी आपूर्ति श्रृंखला में जोड़ेगा जिससे उन्हें उत्पादों को प्रदर्शित करने, बाजार तक पहुंच प्राप्त करने और अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के लिए मंच मिलेगा.

यह कार्यक्रम हार्डवेयर, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, पैकेजिंग और दीर्घकालिक विनिर्माण के क्षेत्रों में तकनीक विकसित करने वाले स्टार्टअप्स को ज़ेप्टो के वितरण और डिजिटल बुनियादी ढांचे का उपयोग करने की सुविधा देगा.

समाचार विशेष

उपराष्ट्रपति चुनाव पर मचेगा घमासान!

संयुक्त उम्मीदवार उतारने की तैयारी में इंडिया गठबंधन

नई दिल्ली. उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर हलचल तेज हो गई है. एक तरफ सत्तारूढ एनडीए गठबंधन उम्मीदवार पर मंथन कर रहा है. दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में कवायद तेज हो गई है. उपराष्ट्रपति पद के लिए इंडिया ब्लॉक संयुक्त उम्मीदवार उतारेगा.

संभावित नामों पर चर्चा करने तथा इस पर आम सहमति बनाने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे विपक्षी दलों से संपर्क कर रहे हैं. खड़गे ने कहा कि विपक्षी गठबंधन में यह प्रबल भावना है कि विपक्षी दलों को परिणाम की परवाह किए बिना एक मजबूत राजनीतिक संदेश भेजने के लिए मुकाबले से पीछे नहीं हटना चाहिए.

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, सभी दलों में इस बात पर आम सहमति है कि 'इंडिया' उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए एक संयुक्त उम्मीदवार उतारेगा. हालांकि, विपक्षी खेमे के एक वर्ग का मानना है कि भाजपा द्वारा अपने उम्मीदवार की घोषणा के बाद ही 'इंडिया' को अपना उम्मीदवार तय करना चाहिए. हाल के समय में 'इंडिया' के घटक दलों के बीच एकता बढ़ी है, जिन्होंने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और कथित चुनाव धांधली के खिलाफ लड़ने का संकल्प लिया है. एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए, 'इंडिया' के शीर्ष नेताओं ने एक रात्रिभोज बैठक आयोजित की और बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के साथ भाजपा-निर्वाचन आयोग के वोट चोरी मॉडल के खिलाफ लड़ने की प्रतिबद्धता जताई. बैठक में 25 दलों के कई नेता मौजूद थे, जिनमें खड़गे, सोनिया गांधी, राकांपा-(एसपी) प्रमुख शरद पवार, नेशनल कॉन्फ्रेंस सुप्रीमो फारूक अब्दुल्ला, पीडीपी की महबूबा मुफ्ती, सपा के अखिलेश यादव, राजद के तेजस्वी यादव, तृणमूल कांग्रेस के अभिषेक बनर्जी, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे, द्रमुक के तिरुचि शिवा और टी आर बालू, माकपा के एम ए बेबी, भाकपा के डी राजा, भाकपा (माले) के दीपांकर भट्टाचार्य और एमएनएम प्रमुख कमल हासन शामिल थे.

391 वोट हासिल करने होंगे विजयी उम्मीदवार को

जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए चार अगस्त की शाम को अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया, हालांकि उनके इस्तीफे के पीछे अन्य कारणों को लेकर लगातार चर्चा हो रही है. दोनों सदनों की प्रभावी संख्या 781 है और उपराष्ट्रपति पद के लिए विजयी उम्मीदवार को 391 वोट हासिल करने होंगे, बशर्ते सभी पात्र मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करें. उपराष्ट्रपति चुनाव में लोकसभा और रा'यसभा के सभी सदस्य मतदान करते हैं, इनमें मनोनीत सदस्य भी शामिल हैं. ऐसा प्रतीत होता है कि राजग के पक्ष में लगभग 422 सदस्य हैं. निर्वाचन आयोग ने 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए पिछले अधिसूचना जारी की, जिससे धनखड़ के उत्तराधिकारी के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई. अधिसूचना के अनुसार, नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है.

यूपी के 115 राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद्द

लखनऊ. चुनाव आयोग ने पिछले छह साल में चुनाव न लड़ने वाले उत्तर प्रदेश के 115 दलों का पंजीकरण रद्द कर दिया है. इसमें कई दलों का इनके बताए पते पर भी कोई वजूद नहीं था. अब ये दल न सियासी दलों को मिलने वाले किसी लाभ के हकदार होंगे और न ही इनकम टैक्स छूट जैसी सुविधाओं का उपयोग कर पाएंगे. आयोग ने शनिवार को इसके आदेश जारी कर दिए हैं.

पिछले छह साल में एक भी लोकसभा और विधानसभा चुनाव न लड़ने वाले यूपी के 119 दलों को आयोग ने नोटिस देकर जवाब मांगा था. सुनवाई के दौरान केवल 24 दल ही आए थे. 95 दलों के प्रतिनिधियों ने आयोग के सामने अपना पक्ष रखना भी उचित नहीं समझा. जिन 24 दलों ने अपने दस्तावेज पेश किए थे, उसमें भी 20 दल मानक के अनुसार नहीं पाए गए.

मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय से भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर आयोग ने कुल 115 दलों का पंजीकरण रद्द कर दिया है. हालांकि, इन्हें इसके खिलाफ अपील करने के लिए ×0 दिन का मौका दिया गया है. इसमें 17 दल वाराणसी, 6 गाजियाबाद, 5-5 नोएडा व कानपुर और 4-4 बिजनौर, देवरिया, प्रयागराज के पते पर पंजीकृत थे.

लखनऊ के 29 दल

आदर्श मानवतावादी पार्टी, आदर्श राष्ट्रीय विकास पार्टी, अखिल भारतीय विकास कांग्रेस पाटी, ऑल इंडिया पिछड़ा जन समाज पार्टी, अपना दल, बहुजन उत्थान पार्टी (ज), भागीदारी क्रांति दल, भारतीय समुदाय पार्टी, भारतीय एकता मंच पार्टी, भारतीय जन मानस पार्टी, हाईटेक पार्टी, जन रोवत पार्टी, जन सृजन पार्टी, जन स्वाभाविक पार्टी, जन विकास पार्टी सेक्युलर, महिला सशक्तिकरण पार्टी, नागरिक सेवा पार्टी(आर), न्यू मदरलैंड पार्टी, परम दिग्विजय दल, पैट्रियोटिक पार्टी ऑफ इंडिया, राष्ट्रवादी कम्युनिस्ट पार्टी, राष्ट्रीय जनाधार पार्टी, राष्ट्रीय जनवादी पार्टी (क्रांतिकारी), राष्ट्रीय शहरी विकास पार्टी, सबकी पार्टी, समान भागीदारी पार्टी, स्वरा'य पार्टी ऑफ इंडिया, वैचारिक क्रांति पार्टी और विकास पार्टी.

विशेष | महाराष्ट्र में नए समीकरण की आहट

दिल्ली में बेइज्जती के बाद इंडिया गठबंधन छोड़ेंगे उद्धव?

मुंबई. महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर उथल-पुथल के संकेत मिल रहे हैं. चर्चा है कि शिवसेना इंडिया गठबंधन से अलग होने की तैयारी में है, जिसके बाद राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक समीकरणों में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है.

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाला शिवसेना गुट फिलहाल महाविकास अघाड़ी का हिस्सा है. अब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के साथ गठबंधन की दिशा में कदम बढ़ाता दिख रहा है. यह कदम आगामी विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनावों से पहले रा'य की सियासत को नया रंग दे सकता है. हाल ही में आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के इंडिया गठबंधन से दूरी बनाने के बाद अब शिवसेना के हटने की अटकलें तेज हो गई हैं. इसी हफ्ते दिल्ली दौरे पर गए उद्धव ठाकरे की कथित बेइ'जती के बाद इस कयास को और बल मिल गया है.

सूत्रों के मुताबिक उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे के बीच बढ़ती नजदीकियां इस बदलाव का आधार बन रही हैं. हाल ही में राज ठाकरे ने उद्धव के जन्मदिन पर मातोश्री जाकर शुभकामनाएं दी थीं, जिसके बाद दोनों दलों के बीच गठबंधन की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं.

ठाकरे गुट और मनसे आएंगे साथ?

उद्धव की यह टिप्पणी तब आई जब उनसे पूछा गया कि क्या राज ठाकरे इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल होंगे. उनके जवाब ने साफ किया कि शिवसेना अपने भविष्य का फैसला स्वतंत्र रूप से लेने को तैयार है. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर शिवसेना (ठाकरे गुट) और मनसे एक साथ आते हैं, तो यह गठबंधन भाजपा-शिंदे गुट के लिए बड़ी चुनौती पेश कर सकता है. दोनों दल मराठी अस्मिता, भूमिपुत्रों के अधिकार, रोजगार और शहरी मतदाताओं के बीच अपनी मजबूत पकड़ के लिए जाने जाते हैं. खासकर मुंबई और अन्य शहरी क्षेत्रों में, जहां शिवसेना और मनसे का प्रभाव रहा है, यह गठबंधन खेल बदल सकता है.

भाजपा में अंदरखाने बड़ा घमासान

पटना. बिहार में भारतीय जनता पार्टी के अंदर बड़ा घमासान छिड़ा है. ऐसा लग रहा है कि सारे नेता चुनाव से पहले ही मुख्यमंत्री पद की अपनी दावेदारी पुख्ता करने में लगे हैं और इसके लिए वे अपने संभावित प्रतिद्वंद्वी को निपटा रहे हैं.

अगर ऐसा नहीं होता तो जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर को खुलासा करने के लिए न तो इतनी सामग्री मिलती और न इतनी सुविधा मिलती. वे एक एक करके भाजपा के प्रदेश नेताओं के बारे में स'चे झूठे खुलासे कर रहे हैं. उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के मेडिकल कॉलेज की कथित पोल खोली और फिर मंगल पांडेय के विभाग की गड़बड़ियों का मुद्दा बनाया. वे दावा कर रहे हैं कि आने वाले दिनों में वे दूसरे कई नेताओं की पोल खोलेंगे.

सबसे हैरानी की बात है कि जब उन्होंने दिलीप जायसवाल पर हमला किया तो पार्टी उनके समर्थन में नहीं आई. जायसवाल को अपना बचाव खुद करना पड़ा और यही काम मंगल पांडेय को भी करना पड़ा है. ऐसा नहीं हो रहा है कि पार्टी के नेता एकजुट होकर प्रशांत किशोर पर हमला करें और अपने नेताओं का बचाव करें. तभी यह भी कहा जा रहा है कि पार्टी के अंदर से ही नेताओं के बारे में स'ची झूठी बातें प्लांट की जा रही हैं.